(c) whether it came to 15 per cent of total number of regular teachers in each of the categories;

(d) if so, the details thereof and if not, in what manner *de jure* recognition could be accorded to the association; and

(e) whether the signatories were bonafide members of the said Sangh on or before the 31st May, 1985?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF EDUCATION AND CULTURE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI L. P. SHAHI): (a) and (b) The Rashtriya Kendriya Vidyalaya Adhyapak Sangh furnished a photocopy of enrolment list dated 31-5-1985 containing the signature of 3267 teachers.

(c) and (d) The total strength of teachers in Kendriya Vidyalaya Sangathan as on 30-4-1985 was 16,937. The Rashtriya Kendriya Vidyalaya Adhyapak Sangh submitted an enrolment list of 3,267 teachers which was 18.6 per cent of the total strength of teachers.

(e) Photocopy of the aforesaid enrolment list containing signatures of members was attested by an office-bearer of the Association.

Monetary Loss due to strike of Teachers in Tamil Nadu

1980. SHRI M. VINCENT: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) what is the monetary loss incurred in Tamil Nadu due to the demonstration and strike of teachers;

(b) whether Government had surveyed the loss of man power during the strike period; and

(c) if so, what are the details in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF EDUCATION AND CULTURE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI L. P. SHAHI): (a) No monetary loss by way of additional wages has been incurred by the Government of Tamil Nadu due to demonstration and strike by teachers.

(b) No Sir.

(c) Does not arise.

विश्व हिन्दी विद्यापीठ की स्थापना

1981. **श्री राम चन्द्र विकल** : क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि तत्कालीन प्रधान मंत्री ने 1983 में तृतीय विश्व हिन्दी सम्मेलन का उद्घाटन करते समय विश्व हिन्दी विद्यापीठ की स्थापना करने के लिए एक समिति नियुक्त किये जाने की घोषणा की थी ;

(ख) क्या इस समिति ने विश्व हिन्दी विद्यापीठ की स्थापना के लिए एक प्रारूप विधेयक तैयार करने का अपना कार्य पूरा कर लिया है ;

(ग) वर्तमान बजट में इस प्रयोजनार्थ कितनी धनराशि निर्धारित की गयी है ; और

(घ) इसमें से कितनी धनराशि खर्च किये जाने की संभावना है और किस-किस लेखे पर ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल० पी० साही) : (क) जी, हां ।

(ख) विश्व-हिन्दी विद्यापीठ का गठन करने के लिए प्रारूप विधेयक अब हिन्दी शिक्षा समिति की कार्यकारिणी उप-समिति द्वारा 15-9-1983 को आयोजित इसकी बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसरण में मंत्रालय में उप-समिति द्वारा तैयार किया गया है । विश्व-हिन्दी विद्यापीठ के गठन से संबंधित सभी पहलुओं का अध्ययन

करने के लिए इस प्रारूप विधेयक का इस उप-समिति द्वारा विचार किया जा रहा है ।

(ङ) और (च) इस प्रयोजनार्थ 1988-89 के वर्तमान बजट में 35.00 लाख रुपये का बजट प्रावधान किया गया है । विश्व-हिन्दी विद्यापीठ की स्थापना पर जब कभी भी निर्णय लिया जाएगा तभी खर्च की जाने वाली सम्भावित राशि से संबंधित स्थिति स्पष्ट हो जाएगी ।

दिल्ली विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति के छात्रों का पंजीकरण

1982. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक** : क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय बी०ए० प्रथम वर्ग में प्रवेश के लिए अनुसूचित जातियों के जिन छात्रों ने अपना नाम पंजीकृत कराया उनकी वर्षवार संख्या कितनी है;

(ख) उपर्युक्त छात्रों में से उन छात्रों की वर्षवार संख्या कितनी है जिन्हें कालेजों में प्रवेश प्रदान किया गया ;

(ग) अनुसूचित जातियों के उन छात्रों की वर्षवार संख्या कितनी है जिनका प्रवेश पंजीकरण के पश्चात् निरस्त कर दिया गया ; और

(घ) उसके क्या कारण हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल० पी० साही) : (क) और (ख) दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दी गई सूचनानुसार पिछले दो वर्षों की अवधि में बी०ए० भाग I में पंजीकृत और दाखिल अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों की कुल संख्या निम्नलिखित है :--

	पंजीकृत संख्या	प्रवेश लेने वालों की संख्या
1985-86	465	1223
1986-87	489	1259

1987-88 में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों की संशोधित पंजीकरण प्रक्रिया के अनुसार छात्रों को सीधे ही विभिन्न कालेजों में प्रवेश के लिए पंजीकरण कराना अपेक्षित था । अतः, दाखिले के लिए इस प्रकार के पंजीकृत छात्रों की संख्या उपलब्ध नहीं है । तथापि 1987-88 की अवधि में बी०ए० भाग I में दाखिल किये गये अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों की संख्या 1401 थी ।

(ङ) और (घ) 1987-88 में एक छात्र का दाखिला रद्द किया गया था क्योंकि छात्र ने अनुसूचित जाति का जाली प्रमाण पत्र दिया था ।

Opening of Adult Education Centres in Adivasi Areas

1983. KUMARI SUSHILA TIRIA: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether special attention is being given to start adult education centres in adivasi areas;

(b) if so, what are the details thereof and the criteria adopted for opening adult education centre in adivasi areas;

(c) whether it is a fact that the scheme is not being implemented fully in some of the backward areas;